

1 The Honorable James L. Robart  
2  
3  
4  
5  
6  
7  
8  
9

10 UNITED STATES DISTRICT COURT  
11 WESTERN DISTRICT OF WASHINGTON  
12 AT SEATTLE  
13  
14

15 JOHN DOE, et al.,  
16  
17

Plaintiffs,

v.

18 DONALD TRUMP, et al.,  
19  
20

Defendants.

**Civil Action No. 2:17-cv-00178JLR**

21 JEWISH FAMILY SERVICE OF  
22 SEATTLE, et al.,  
23  
24

Plaintiffs,

v.

25 DONALD TRUMP, et al.,  
26  
27

Defendants.

**Civil Action No. 2:17-cv-01707JLR**

**DEFENDANTS' EMERGENCY  
MOTION FOR STAY OF  
PRELIMINARY INJUNCTION  
PENDING APPEAL**

**(RELATING TO BOTH CASES)**

28  
29  
30  
31  
32  
33  
34  
35  
36  
37  
38  
39  
40  
41  
42  
43  
44  
45  
46  
47  
48  
49  
50  
51  
52  
53  
54  
55  
56  
57  
58  
59  
60  
61  
62  
63  
64  
65  
66  
67  
68  
69  
70  
71  
72  
73  
74  
75  
76  
77  
78  
79  
80  
81  
82  
83  
84  
85  
86  
87  
88  
89  
90  
91  
92  
93  
94  
95  
96  
97  
98  
99  
100  
101  
102  
103  
104  
105  
106  
107  
108  
109  
110  
111  
112  
113  
114  
115  
116  
117  
118  
119  
120  
121  
122  
123  
124  
125  
126  
127  
128  
129  
130  
131  
132  
133  
134  
135  
136  
137  
138  
139  
140  
141  
142  
143  
144  
145  
146  
147  
148  
149  
150  
151  
152  
153  
154  
155  
156  
157  
158  
159  
160  
161  
162  
163  
164  
165  
166  
167  
168  
169  
170  
171  
172  
173  
174  
175  
176  
177  
178  
179  
180  
181  
182  
183  
184  
185  
186  
187  
188  
189  
190  
191  
192  
193  
194  
195  
196  
197  
198  
199  
200  
201  
202  
203  
204  
205  
206  
207  
208  
209  
210  
211  
212  
213  
214  
215  
216  
217  
218  
219  
220  
221  
222  
223  
224  
225  
226  
227  
228  
229  
230  
231  
232  
233  
234  
235  
236  
237  
238  
239  
240  
241  
242  
243  
244  
245  
246  
247  
248  
249  
250  
251  
252  
253  
254  
255  
256  
257  
258  
259  
260  
261  
262  
263  
264  
265  
266  
267  
268  
269  
270  
271  
272  
273  
274  
275  
276  
277  
278  
279  
280  
281  
282  
283  
284  
285  
286  
287  
288  
289  
290  
291  
292  
293  
294  
295  
296  
297  
298  
299  
300  
301  
302  
303  
304  
305  
306  
307  
308  
309  
310  
311  
312  
313  
314  
315  
316  
317  
318  
319  
320  
321  
322  
323  
324  
325  
326  
327  
328  
329  
330  
331  
332  
333  
334  
335  
336  
337  
338  
339  
340  
341  
342  
343  
344  
345  
346  
347  
348  
349  
350  
351  
352  
353  
354  
355  
356  
357  
358  
359  
360  
361  
362  
363  
364  
365  
366  
367  
368  
369  
370  
371  
372  
373  
374  
375  
376  
377  
378  
379  
380  
381  
382  
383  
384  
385  
386  
387  
388  
389  
390  
391  
392  
393  
394  
395  
396  
397  
398  
399  
400  
401  
402  
403  
404  
405  
406  
407  
408  
409  
410  
411  
412  
413  
414  
415  
416  
417  
418  
419  
420  
421  
422  
423  
424  
425  
426  
427  
428  
429  
430  
431  
432  
433  
434  
435  
436  
437  
438  
439  
440  
441  
442  
443  
444  
445  
446  
447  
448  
449  
450  
451  
452  
453  
454  
455  
456  
457  
458  
459  
460  
461  
462  
463  
464  
465  
466  
467  
468  
469  
470  
471  
472  
473  
474  
475  
476  
477  
478  
479  
480  
481  
482  
483  
484  
485  
486  
487  
488  
489  
490  
491  
492  
493  
494  
495  
496  
497  
498  
499  
500  
501  
502  
503  
504  
505  
506  
507  
508  
509  
510  
511  
512  
513  
514  
515  
516  
517  
518  
519  
520  
521  
522  
523  
524  
525  
526  
527  
528  
529  
530  
531  
532  
533  
534  
535  
536  
537  
538  
539  
540  
541  
542  
543  
544  
545  
546  
547  
548  
549  
550  
551  
552  
553  
554  
555  
556  
557  
558  
559  
5510  
5511  
5512  
5513  
5514  
5515  
5516  
5517  
5518  
5519  
5520  
5521  
5522  
5523  
5524  
5525  
5526  
5527  
5528  
5529  
55210  
55211  
55212  
55213  
55214  
55215  
55216  
55217  
55218  
55219  
55220  
55221  
55222  
55223  
55224  
55225  
55226  
55227  
55228  
55229  
55230  
55231  
55232  
55233  
55234  
55235  
55236  
55237  
55238  
55239  
55240  
55241  
55242  
55243  
55244  
55245  
55246  
55247  
55248  
55249  
55250  
55251  
55252  
55253  
55254  
55255  
55256  
55257  
55258  
55259  
55260  
55261  
55262  
55263  
55264  
55265  
55266  
55267  
55268  
55269  
55270  
55271  
55272  
55273  
55274  
55275  
55276  
55277  
55278  
55279  
55280  
55281  
55282  
55283  
55284  
55285  
55286  
55287  
55288  
55289  
55290  
55291  
55292  
55293  
55294  
55295  
55296  
55297  
55298  
55299  
552100  
552101  
552102  
552103  
552104  
552105  
552106  
552107  
552108  
552109  
552110  
552111  
552112  
552113  
552114  
552115  
552116  
552117  
552118  
552119  
552120  
552121  
552122  
552123  
552124  
552125  
552126  
552127  
552128  
552129  
552130  
552131  
552132  
552133  
552134  
552135  
552136  
552137  
552138  
552139  
552140  
552141  
552142  
552143  
552144  
552145  
552146  
552147  
552148  
552149  
552150  
552151  
552152  
552153  
552154  
552155  
552156  
552157  
552158  
552159  
552160  
552161  
552162  
552163  
552164  
552165  
552166  
552167  
552168  
552169  
552170  
552171  
552172  
552173  
552174  
552175  
552176  
552177  
552178  
552179  
552180  
552181  
552182  
552183  
552184  
552185  
552186  
552187  
552188  
552189  
552190  
552191  
552192  
552193  
552194  
552195  
552196  
552197  
552198  
552199  
552200  
552201  
552202  
552203  
552204  
552205  
552206  
552207  
552208  
552209  
552210  
552211  
552212  
552213  
552214  
552215  
552216  
552217  
552218  
552219  
552220  
552221  
552222  
552223  
552224  
552225  
552226  
552227  
552228  
552229  
5522210  
5522211  
5522212  
5522213  
5522214  
5522215  
5522216  
5522217  
5522218  
5522219  
5522220  
5522221  
5522222  
5522223  
5522224  
5522225  
5522226  
5522227  
5522228  
5522229  
55222210  
55222211  
55222212  
55222213  
55222214  
55222215  
55222216  
55222217  
55222218  
55222219  
55222220  
55222221  
55222222  
55222223  
55222224  
55222225  
55222226  
55222227  
55222228  
55222229  
552222210  
552222211  
552222212  
552222213  
552222214  
552222215  
552222216  
552222217  
552222218  
552222219  
552222220  
552222221  
552222222  
552222223  
552222224  
552222225  
552222226  
552222227  
552222228  
552222229  
5522222210  
5522222211  
5522222212  
5522222213  
5522222214  
5522222215  
5522222216  
5522222217  
5522222218  
5522222219  
5522222220  
5522222221  
5522222222  
5522222223  
5522222224  
5522222225  
5522222226  
5522222227  
5522222228  
5522222229  
55222222210  
55222222211  
55222222212  
55222222213  
55222222214  
55222222215  
55222222216  
55222222217  
55222222218  
55222222219  
55222222220  
55222222221  
55222222222  
55222222223  
55222222224  
55222222225  
55222222226  
55222222227  
55222222228  
55222222229  
552222222210  
552222222211  
552222222212  
552222222213  
552222222214  
552222222215  
552222222216  
552222222217  
552222222218  
552222222219  
552222222220  
552222222221  
552222222222  
552222222223  
552222222224  
552222222225  
552222222226  
552222222227  
552222222228  
552222222229  
5522222222210  
5522222222211  
5522222222212  
5522222222213  
5522222222214  
5522222222215  
5522222222216  
5522222222217  
5522222222218  
5522222222219  
5522222222220  
5522222222221  
5522222222222  
5522222222223  
5522222222224  
5522222222225  
5522222222226  
5522222222227  
5522222222228  
5522222222229  
55222222222210  
55222222222211  
55222222222212  
55222222222213  
55222222222214  
55222222222215  
55222222222216  
55222222222217  
55222222222218  
55222222222219  
55222222222220  
55222222222221  
55222222222222  
55222222222223  
55222222222224  
55222222222225  
55222222222226  
55222222222227  
55222222222228  
55222222222229  
552222222222210  
552222222222211  
552222222222212  
552222222222213  
552222222222214  
552222222222215  
552222222222216  
552222222222217  
552222222222218  
552222222222219  
552222222222220  
552222222222221  
552222222222222  
552222222222223  
552222222222224  
552222222222225  
552222222222226  
552222222222227  
552222222222228  
552222222222229  
5522222222222210  
5522222222222211  
5522222222222212  
5522222222222213  
5522222222222214  
5522222222222215  
5522222222222216  
5522222222222217  
5522222222222218  
5522222222222219  
5522222222222220  
5522222222222221  
5522222222222222  
5522222222222223  
5522222222222224  
5522222222222225  
5522222222222226  
5522222222222227  
5522222222222228  
5522222222222229  
55222222222222210  
55222222222222211  
55222222222222212  
55222222222222213  
55222222222222214  
55222222222222215  
55222222222222216  
55222222222222217  
55222222222222218  
55222222222222219  
55222222222222220  
55222222222222221  
55222222222222222  
55222222222222223  
55222222222222224  
55222222222222225  
55222222222222226  
55222222222222227  
55222222222222228  
55222222222222229  
552222222222222210  
552222222222222211  
552222222222222212  
552222222222222213  
552222222222222214  
552222222222222215  
552222222222222216  
552222222222222217  
552222222222222218  
552222222222222219  
552222222222222220  
552222222222222221  
552222222222222222  
552222222222222223  
552222222222222224  
552222222222222225  
552222222222222226  
552222222222222227  
552222222222222228  
552222222222222229  
5522222222222222210  
5522222222222222211  
5522222222222222212  
5522222222222222213  
5522222222222222214  
5522222222222222215  
5522222222222222216  
5522222222222222217  
5522222222222222218  
5522222222222222219  
5522222222222222220  
5522222222222222221  
5522222222222222222  
5522222222222222223  
5522222222222222224  
5522222222222222225  
5522222222222222226  
5522222222222222227  
5522222222222222228  
5522222222222222229  
55222222222222222210  
55222222222222222211  
55222222222222222212  
55222222222222222213  
55222222222222222214  
55222222222222222215  
55222222222222222216  
55222222222222222217  
55222222222222222218  
55222222222222222219  
55222222222222222220  
55222222222222222221  
55222222222222222222  
55222222222222222223  
55222222222222222224  
55222222222222222225  
55222222222222222226  
55222222222222222227  
55222222222222222228  
55222222222222222229  
552222222222222222210  
552222222222222222211  
552222222222222222212  
552222222222222222213  
552222222222222222214  
552222222222222222215  
552222222222222222216  
552222222222222222217  
552222222222222222218  
552222222222222222219  
552222222222222222220  
552222222222222222221  
552222222222222222222  
552222222222222222223  
552222222222222222224  
552222222222222222225  
552222222222222222226  
552222222222222222227  
552222222222222222228  
552222222222222222229  
5522222222222222222210  
5522222222222222222211  
5522222222222222222212  
5522222222222222222213  
5522222222222222222214  
5522222222222222222215  
5522222222222222222216  
5522222222222222222217  
5522222222222222222218  
5522222222222222222219  
5522222222222222222220  
5522222222222222222221  
5522222222222222222222  
5522222222222222222223  
5522222222222222222224  
5522222222222222222225  
5522222222222222222226  
5522222222222222222227  
5522222222222222222228  
5522222222222222222229  
55222222222222222222210  
55222222222222222222211  
55222222222222222222212  
55222222222222222222213  
55222222222222222222214  
55222222222222222222215  
55222222222222222222216  
55222222222222222222217  
55222222222222222222218  
55222222222222222222219  
55222222222222222222220  
55222222222222222222221  
55222222222222222222222  
55222222222222222222223  
55222222222222222222224  
55222222222222222222225  
55222222222222222222226  
55222222222222222222227  
55222222222222222222228  
55222222222222222222229  
552222222222222222222210  
552222222222222222222211  
552222222222222222222212  
552222222222222222222213  
552222222222222222222214  
552222222222222222222215  
552222222222222222222216  
552222222222222222222217  
552222222222222222222218  
552222222222222222222219  
552222222222222222222220  
552222222222222222222221  
552222222222222222222222  
552222222222222222

## INTRODUCTION

Defendants hereby move the Court to stay its preliminary injunction barring enforcement of two provisions of the October 23, 2017, Memorandum to the President (cited in the Court’s opinion as the “Agency Memorandum” and cited herein and in Defendants’ prior submissions as the “Joint Memorandum”) pending a decision from the Ninth Circuit on Defendants’ forthcoming appeal. Defendants also request that the Court enter an order staying its injunction during the interim period while the Court considers this motion.<sup>1</sup>

As explained more fully below, the balance of harms weighs strongly in favor of a stay, and the Government is likely to prevail on the merits of its appeal. The Supreme Court recently stayed in full injunctions that district courts had entered against enforcement of the entry restrictions in Presidential Proclamation No. 9645, 82 Fed. Reg. 45,161 (Sept. 24, 2017), based in part on a balancing of harms and interests that are similar to those at issue here. The same result is warranted in this case.

## **STANDARD OF REVIEW**

In deciding a motion to stay pending appeal, courts consider four factors: “(1) whether the stay applicant has made a strong showing that he is likely to succeed on the merits; (2) whether the applicant will be irreparably injured absent a stay; (3) whether issuance of the stay will substantially injure the other parties interested in the proceeding; and (4) where the public interest lies.” *Nken v. Holder*, 556 U.S. 418, 434 (2009). A stay is appropriate if the movant demonstrates that it has raised serious questions going to the merits on appeal and the balance of hardships tips sharply in its favor. *See All. for the Wild Rockies v. Cottrell*, 632 F.3d 1127, 1134-35 (9th Cir. 2011).

<sup>1</sup> Defendants have reviewed the Court's Local Civil Rules and have determined that this emergency stay motion is analogous to a motion for a temporary restraining order. Accordingly, Defendants have adhered to the noting date and page count rules associated with such motions.

## ARGUMENT

## I. THE BALANCE OF HARMS WEIGHS STRONGLY IN FAVOR OF A STAY

The serious and irreparable harms to the Government and the public from this Court’s preliminary injunction outweigh any harm Plaintiffs might suffer if the injunction is stayed. The Supreme Court reached this conclusion when it stayed in full the injunctions issued by district courts in *Trump v. Hawaii*, No. 17A550, 2017 WL 5987406 (U.S. Dec. 4, 2017), and *Trump v. Int’l Refugee Assistance Project (IRAP)*, No. 17A560, 2017 WL 5987435 (U.S. Dec. 4, 2017). The Supreme Court necessarily determined that the Government’s national-security and foreign-policy interests outweighed the plaintiffs’ interests in those cases. *See Nken*, 556 U.S. at 434. The Government’s national-security interests here, which also relate to risks from the admission of aliens from abroad, are just as weighty. And Plaintiffs interests’ and alleged harms are significantly weaker than those of the plaintiffs in *IRAP* and *Hawaii* because the provisions of the Joint Memorandum that Plaintiffs challenge are temporary (and due to expire in the near future). Thus, the Supreme Court’s orders in *IRAP* and *Hawaii* counsel in favor of this Court staying its preliminary injunction against the Joint Memorandum pending appellate review.

**A. THE PRELIMINARY INJUNCTION IMPOSES SERIOUS, IRREPARABLE HARM ON THE GOVERNMENT AND THE PUBLIC**

This Court’s preliminary injunction undermines the Executive Branch’s constitutional and statutory authority to safeguard the Nation’s security by conducting appropriate screening of aliens seeking admission to the United States, and it intrudes on the political branches’ constitutional prerogatives. “[N]o governmental interest is more compelling than the security of the Nation,” *Haig v. Agee*, 453 U.S. 280, 307 (1981), and “the Government’s interest in combating terrorism is an urgent objective of the highest order,” *Holder v. Humanitarian Law Project (HLP)*, 561 U.S. 1, 28 (2010). The Executive Branch’s protection of these interests warrants the utmost deference, particularly where, as here, it acts based on “[p]redictive judgment[s]” regarding specific national-security risks. *Dep’t of the Navy v. Egan*, 484 U.S. 518, 529 (1988); *see HLP*,

1 561 U.S. at 33-35. Rules “concerning the admissibility of aliens” also “implement[] an inherent  
 2 executive power.” *United States ex rel. Knauff v. Shaughnessy*, 338 U.S. 537, 542 (1950).

3 After conducting a review of the refugee program as required by Executive Order No.  
 4 13,780 (EO-2), and “[n]otwithstanding the additional procedures identified or implemented  
 5 during [that period],” the Secretaries of State and Homeland Security and the Director of National  
 6 Intelligence “continue to have concerns” about the admission of refugees from Security Advisory  
 7 Opinion (SAO) countries, which were “previously identified as posing a higher risk to the United  
 8 States.” Joint Mem. at 2. The officials thus concluded it was necessary to conduct a “tailored”  
 9 and “in-depth threat assessment” of each SAO country before continuing admissions and making  
 10 further eligibility determinations as to refugee applicants from the affected countries. Joint Mem.  
 11 Addendum at 3; *see id.* (explaining that the review “will include input and analysis from the  
 12 intelligence and law enforcement communities, as well as all relevant information related to  
 13 ongoing or completed investigations and national security risks and mitigation strategies”). The  
 14 review of the refugee program called for by EO-2 also highlighted that “[t]he majority of  
 15 following-to-join refugees do not [currently] receive the same, full baseline interagency checks  
 16 that principal refugees receive.” Joint Mem. Addendum at 4. The Cabinet Secretaries thus made  
 17 a joint determination that, in order “to ensure the security and welfare of the United States,” it is  
 18 necessary to “implement adequate screening mechanisms for following-to-join refugees that are  
 19 similar to the process employed for principal refugees” before continuing admissions and making  
 20 further eligibility determinations as to following-to-join refugees.

21 The Court’s Order enjoining enforcement of these two challenged provisions necessarily  
 22 imposes irreparable harm on the Government and the public interest. Even a single State “suffers  
 23 a form of irreparable injury” “[a]ny time [it] is enjoined by a court from effectuating statutes  
 24 enacted by representatives of its people.” *Maryland v. King*, 567 U.S. 1301, 1303 (2012)  
 25 (Roberts, C.J., in chambers) (citation omitted); *see, e.g., O Centro Espirita Beneficiente Uniao de*  
 26 *Vegetal v. Ashcroft*, 314 F.3d 463, 467 (10th Cir. 2002). *A fortiori*, this Court’s injunction imposes

1 irreparable injury on the Executive Branch and the public given that the Joint Memorandum rests  
 2 on the national-security judgment of three Cabinet Secretaries, officials charged with determining  
 3 what screening steps are needed to evaluate requests for admission. These Secretaries jointly  
 4 determined that the SAO and following-to-join refugee populations may presently pose an  
 5 elevated risk due to inadequate screening and vetting and that additional procedures were needed  
 6 before further favorable eligibility determinations could be made. The problem is all the greater  
 7 given the Court's extension of the preliminary injunction not only to refugee applicants and  
 8 organizations before the Court, or even to applicants nationwide who have close familial or  
 9 institutional ties to the United States, but also to an additional pool of applicants whose only  
 10 domestic link is through the attenuated resettlement assurance process. Defendants address this  
 11 latter concern in their pending motion for reconsideration, *see* ECF No. 93.<sup>2</sup>

12 These national-security and institutional harms exist notwithstanding the Government's  
 13 understanding that the preliminary injunction does not impact any new screening or vetting  
 14 processes adopted as a result of the Government's 120-day review pursuant to section 6(a) of  
 15 Executive Order 13,780, and that the injunction operates prospectively only—*i.e.*, prohibiting  
 16 enforcement of the Joint Memorandum's specified provisions beginning on the date of the  
 17 preliminary injunction's issuance (December 23, 2017). Defendants do not understand the  
 18 preliminary injunction to require affirmative action to undo any of the steps that were taken to  
 19 implement the Joint Memorandum prior to December 23, including decisions made before  
 20 December 23 about how to allocate resources consistent with the Joint Memorandum. For

22 <sup>2</sup> In the litigation regarding the Proclamation, the Ninth Circuit recently determined that  
 23 the balance of equities and the public interest tilt in favor of the plaintiffs. *See Hawaii v. Trump*,  
 24 No. 17-17168, — F.3d —, —, 2017 WL 6554184, at \*22-23 (9th Cir. Dec. 22, 2017). Defendants  
 25 respectfully disagree with that decision and intend to petition for a writ of certiorari. Moreover,  
 26 that court's analysis was based on the purported inadequacy of the President's national-security  
 findings, *see id.*, whereas here the Court did not hold the Joint Memorandum invalid on that basis.  
 Also, as noted above, the underlying injunction in that case is stayed pending disposition of the  
 Government's forthcoming petition for a writ of certiorari, *see Trump v. Hawaii*, 2017 WL  
 5987406, at \*1.

1 example, prior to the injunction's issuance and consistent with the Joint Memorandum's terms,  
 2 the State Department's Bureau of Population, Refugees, and Migration (PRM) scheduled federal  
 3 fiscal year Quarter 2 "circuit rides" for U.S. Citizenship and Immigration Services (USCIS)  
 4 officers to interview refugee applicants in different locations, and also scheduled almost all of the  
 5 refugee applicant interviews for those locations. Those interviewees (selected before the  
 6 injunction was issued, consistent with the Joint Memorandum's terms) have already been notified  
 7 of their upcoming interviews. Defendants do not understand the preliminary injunction to require  
 8 affirmative actions to undo these types of decisions that were made during the approximately two-  
 9 month period while the Joint Memorandum was in effect. *Cf. Hernandez v. Sessions*, 872 F.3d  
 10 976, 999 (9th Cir. 2017) (noting that "[m]andatory injunctions" are "subject to a higher standard  
 11 than prohibitory injunctions"); Fed. R. Civ. P. 65(d)(1).

12 Compelling Defendants to undo these prior decisions would likely redound to the  
 13 detriment of innocent third parties who have no connection to this lawsuit. For instance, if USCIS  
 14 were required to modify the universe of refugees to be interviewed during upcoming circuit rides  
 15 (despite those circuit rides and interviews being scheduled prior to the injunction's issuance),  
 16 USCIS might then need to cancel some of the existing interviews, including for refugee applicants  
 17 who have already been notified of their anticipated interview. Such cancellations would not be  
 18 consistent with the public interest. *Cf. Richland Park Homeowners Ass'n, Inc. v. Pierce*, 671 F.2d  
 19 935, 943 (5th Cir. 1982) ("The injury to the public interest that would be caused by the uprooting  
 20 of . . . 44 innocent families . . . weigh[s] heavily against the plaintiffs in the judicial consideration  
 21 of their demand for relief . . ."). Moreover, there is significant doubt about whether it would  
 22 even be possible for Defendants to undo some of their prior decisions. While Defendants may be  
 23 able to adjust the interview schedule slightly, it is not feasible on short notice either to shift these  
 24 already-scheduled circuit rides to different countries or substantially revise the existing interview  
 25 schedules to substitute different refugee applicants. That is because almost all of the necessary  
 26 preparatory work—including completion of pre-screening interviews, security checks, and

1 notification to refugee applicants—has already occurred. Furthermore, the USCIS officers  
 2 conducting these interviews have been working to complete necessary pre-travel requirements—  
 3 including obtaining visas, making travel arrangements, obtaining or verifying necessary  
 4 vaccinations, and scheduling participation in location-specific pre-departure trainings—so  
 5 redeploying to other locations is not feasible in the near term.<sup>3</sup>

6 In light of the above, Defendants do not understand the preliminary injunction to require  
 7 them to take affirmative steps to undo the decisions that were made consistent with the Joint  
 8 Memorandum prior to the preliminary injunction’s issuance. In the event that Plaintiffs or the  
 9 Court have a different understanding of the preliminary injunction, further proceedings would be  
 10 necessary to help inform the Court’s analysis of these potential burdens and harms. Even under  
 11 the present injunction, however, the Government suffers significant national-security and  
 12 institutional injuries warranting a stay.

13 **B. A BRIEF STAY PENDING EXPEDITED APPEAL WOULD NOT IMPOSE ANY  
 14 SUBSTANTIAL HARM ON PLAINTIFFS**

15 As the Government argued in its opposition briefs and at the December 21, 2017, hearing,  
 16 the individual Plaintiffs—perhaps excepting Joseph Doe—have not established that they have  
 17 been injured or, indeed, affected at all by the challenged provisions of the Joint Memorandum.  
 18 Plaintiffs have not adequately demonstrated that they are on the brink of travel such that, but for  
 19 the SAO provision or the following-to-join implementation period, they would have arrived in the  
 20 United States during the short time before those provisions expire. Rather, Plaintiffs’ own  
 21 declarations and allegations show that other circumstances may be delaying their travel.  
 22 Accordingly, these Plaintiffs both lack standing to challenge the Joint Memorandum and have

---

23  
 24 <sup>3</sup> Because most of the interviewees were selected prior to the injunction and consistent  
 25 with the Joint Memorandum, some refugee applicants from SAO countries were scheduled for  
 26 interviews because they met the Joint Memorandum’s criteria for continued, case-by-case  
 processing during the 90-day review period. If additional, urgent requests from SAO nationalities  
 are identified, PRM and USCIS will work together to try to add them to the scheduled circuit  
 rides.

1 failed to carry their burden of demonstrating irreparable harm sufficient to warrant a preliminary  
 2 injunction.

3 With respect to the following-to-join implementation period, only three individual  
 4 Plaintiffs purport to challenge that provision. However, the challenges brought by two of these  
 5 Plaintiffs (Joseph Doe and Afkab Hussein) fail at the outset because their family members are  
 6 apparently located in Kenya, where the following-to-join vetting protocols are already generally  
 7 aligned with the protocols for principal refugees. Therefore, following-to-join refugees from non-  
 8 SAO countries processed in those locations were not impacted by the suspension related to  
 9 alignment of vetting protocols. *Compare* Decl. of Afkab Mohamed Hussein in Support of Pls.’  
 10 Mot. ¶¶ 3, 10-11, *Jewish Family Service of Seattle, et al. v. Trump, et al.* (JFS), No. 2:17-cv-  
 11 01707, ECF No. 48 (“Hussein Decl.”), *with* Decl. of Joseph Doe in Supp. of Mot. for Prelim. Inj.  
 12 ¶ 9, ECF No. 47; *see also* Decl. of Jennifer B. Higgins in Supp. of Defs.’ Opp’n to Pl. Joseph  
 13 Doe’s Mot. for Prelim. Inj. ¶ 11, ECF No. 51–1. John Doe 7 also challenges the following-to-  
 14 join provision; unlike the families of Joseph Doe and Afkab Hussein, John Doe 7’s son is located  
 15 in a country (Iraq) where following-to-join processing was suspended pending institution of new  
 16 vetting protocols. However, as discussed below, John Doe 7’s son has been waiting to travel  
 17 since November 2016, and there is no basis from which the Court could conclude that the  
 18 following-to-join implementation period is the cause of his delay.

19 With respect to the SAO provision, a recurring theme across Plaintiffs’ allegations and  
 20 declarations is that they have been waiting to travel for a long time—months, even years. It is  
 21 wholly speculative to presume that they would have arrived during the short period affected by  
 22 the challenged provisions of the Joint Memorandum:

23 • Jeffrey Doe alleges that his parents and siblings applied for refugee status in 2005,  
 24 received an approval letter in 2006, and were assured by a resettlement agency in 2015.  
 25 But he also alleges that their medical checks have expired. Third Am. Compl. ¶ 89, ECF

1 No. 42. Taking those allegations as true, the Court has no basis to conclude that Jeffrey' 2  
 Doe's family is on the brink of travel.

- 3 • Afkab Hussein's declaration states that Forms I-730 for his wife and son were approved 4  
 in June 2016 and that his wife and son have "completed several stages of the follow-to- 5  
 join screening process." Hussein Decl. ¶¶ 16-17. The reference to "several" stages (rather 6  
 than "all" stages) itself suggests that these family members must still complete additional 7  
 steps before being approved to travel.
- 8 • John Doe 1 (who is also the subject of Allen Vaught's concerns) was conditionally 9  
 approved for resettlement in or around December 2016 and was told in October 2017 to 10  
 "get ready to travel," but he has been delayed due to problems with his passport. Decl. of 11  
 John Doe # 1 in Supp. of Pls.' Mot. ¶¶ 15-16, *JFS*, ECF No. 52.
- 12 • John Doe 2 (who is also the subject of John Doe 3's concerns) was conditionally approved 13  
 for resettlement in or around March 2016, and his sponsor was told to expect his arrival 14  
 by August 2016, yet in January 2017 he was still awaiting security checks. Decl. of John 15  
 Doe #2 in Supp. of Pls.' Mot. ¶ 9, *JFS*, ECF No. 53. Given that well over a year has 16  
 elapsed since John Doe 2 was expected to travel, it would be speculative to infer that the 17  
 SAO provision is the cause of his delay.
- 18 • Jane Doe 4 was referred for resettlement in June 2017 and had a pre-screening interview 19  
 with the International Organization for Migration in September 2017. It is unclear whether 20  
 she has completed her medical checks. Decl. of Jane Doe #4 in Supp. of Pls.' Mot. ¶ 5, 21  
*JFS*, ECF No. 55.
- 22 • Jane Doe 5 (who is also the subject of Jane Doe 6's concerns) has been awaiting security 23  
 checks since 2016. Decl. of Jane Doe #5 in Supp. of Pls.' Mot. ¶ 7, *JFS*, ECF No. 56. 24  
 Irrespective of the Joint Memorandum, Jane Doe 5 must complete those security checks 25  
 before she can qualify for refugee admission.

1     •     John Doe 7's son was assured by a resettlement agency in November 2016. Decl. of John  
 2     Doe #7 ¶ 4, *JFS*, ECF No. 58. Given that his application apparently has not progressed in  
 3     the thirteen months since he received his assurance, Plaintiffs offer no basis from which  
 4     the Court could presume that, but for the SAO provision, John Doe 7's son would be  
 5     scheduled to travel before that provision expires.<sup>4</sup>

6           That leaves Joseph Doe. As Government counsel acknowledged at the December 21  
 7     hearing, Joseph Doe's family members do appear to be on the brink of travel. However, as set  
 8     forth in the Declaration of Jennifer L. Smith, attached hereto as Exhibit A, Joseph Doe's family  
 9     falls within an exception under "[p]roposed interim guidance . . . which was in the process of  
 10    being reviewed for clearance before the Preliminary Injunction was issued." Smith Decl. ¶ 2.  
 11    Pursuant to that proposed guidance, on December 21, 2017, PRM's overseas staff requested that  
 12    the Resettlement Support Center in Kenya provide the family with travel documents and begin  
 13    planning their travel. *Id.* ¶ 3. At this point, the family is expected to travel in mid-to-late January,  
 14    and the State Department anticipates that it will know the date of the travel booking by January  
 15    2, 2018. *Id.* ¶¶ 3-4. Accordingly, even if the Court stays its injunction, Joseph Doe's family will  
 16    be processed for travel, subject to admissions and admissibility requirements not affected by the  
 17    Joint Memorandum.

18           None of the individual plaintiffs therefore would suffer any concrete harm based on a stay  
 19    of the preliminary injunction. Nor will any of the organizations, who may continue "serv[ing]"

---

21           <sup>4</sup> The Court wrote that "[w]hether Doe 7's son's application has other hurdles to cross . . .  
 22    does not diminish the fact that the SAO and FTJ provisions of the Agency Memo add two more."  
*Doe v. Trump*, Nos. C17-0178JLR & C17-1707JLR, 2017 WL 6551491, at \*9 (W.D. Wash. Dec.  
 23    23, 2017). The Court likewise wrote that, regardless whether Plaintiffs are on the brink of travel,  
 24    "their separation from their family members will be prolonged as a result of the SAO provisions,"  
 25    since resources have been diverted to non-SAO countries during the 90-day review period. *Id.* at  
 26    \*10. However, Plaintiffs bear the burden at all stages in litigation to show that they have properly  
 26    invoked the Court's subject-matter jurisdiction. As the Government has argued, the refugee  
 26    admissions process is complicated and time-consuming—and Plaintiffs have not adequately  
 26    shown that the short delay in processing and admissions attributable to the SAO provision will  
 26    have any material impact on them.

1 Muslim and Arabic-speaking refugees,” *Doe*, 2017 WL 6551491, at \*23, regardless whether the  
 2 Joint Memorandum is implemented. Thus, the balance of equities strongly favors a stay.

3 **II. THE GOVERNMENT IS LIKELY TO PREVAIL ON THE MERITS**

4 The Government respectfully submits that, notwithstanding this Court’s  
 5 preliminary-injunction decision, the Government also is likely to succeed on the merits of its  
 6 appeal.<sup>5</sup> There are serious flaws in the Court’s reasoning with respect to Plaintiffs’ statutory  
 7 claims. The Court concluded, for instance, that the following-to-join implementation period  
 8 likely violates 8 U.S.C. § 1157(c)(2)(A) because that statute provides that following-to-join  
 9 refugees “shall” be entitled the same admission status as the principal refugee. *Doe*, 2017 WL  
 10 6551491, at \*19. Yet as the Government previously argued, the brief implementation period does  
 11 not alter in any respect the substantive rights of following-to-join refugees, so to whatever extent  
 12 § 1157(c)(2)(A) confers a benefit, the Government has not rescinded it. Further, the Government  
 13 is entitled to make eligibility determinations for each refugee; there is no mandatory timeframe  
 14 for making such determinations; and, as the Joint Memorandum explains, these new procedures  
 15 are needed in order to make such determinations.

16 The Court also held that the SAO provision likely conflicts with the Immigration and  
 17 Nationality Act (INA) by adding criteria to the Act’s definition of “refugee” and to the  
 18 admissibility requirements for refugees. *Id.* at \*22. But neither Plaintiffs nor the Court have  
 19 identified any INA provision that would bar the agencies charged with administering the statute  
 20 from exercising their discretion to review or enhance screening and vetting measures to promote  
 21 national security and welfare, and that is all the Joint Memorandum does. Congress could not  
 22 have been clearer in 8 U.S.C. § 1157(c)(1): “the Attorney General *may*, in the Attorney General’s

23  
 24  
 25  
 26 <sup>5</sup> The Government preserves and incorporates by reference its arguments concerning the  
 nonjusticiability of Plaintiffs’ claims (including the application of the doctrine of consular  
 nonreviewability).

1     discretion and pursuant to such regulations as the Attorney General *may* prescribe, admit any  
 2     refugee" (emphasis added).

3         Likewise problematic, especially from a functional standpoint, is the Court's preliminary  
 4     determination that the Joint Memorandum was not properly promulgated pursuant to the  
 5     Administrative Procedure Act (APA). The agencies' Joint Memorandum "did not alter the  
 6     substantive criteria by which it would approve or deny" refugee applications; "it simply changed  
 7     the procedures it would follow in applying those substantive standards." *James V. Hurson*  
 8     *Assocs., Inc. v. Glickman*, 229 F.3d 277, 281 (D.C. Cir. 2000). For that reason, the Joint  
 9     Memorandum is consistent with the underlying refugee statutes (and 6 U.S.C. § 202(4)) and is  
 10    not a legislative rule requiring notice-and-comment rulemaking under the APA. *See id.*; *see also*  
 11    *Kessler v. FCC*, 326 F.2d 673, 681 (D.C. Cir. 1963). The Cabinet Secretaries merely determined  
 12    that favorable eligibility determinations could not be made in most cases—subject to case-by-case  
 13    exceptions for those from SAO countries—until the screening procedures are further reviewed,  
 14    and, as necessary, upgraded.

15         At the December 21 hearing, the Court expressed concern that accepting this argument  
 16    would allow agency heads to suspend the refugee program indefinitely or even permanently. *See*  
 17    *also Doe*, 2017 WL 6551491, at \*21. But that hypothetical is simply not before the Court. The  
 18    Joint Memorandum's provisions are expressly temporary and were expected to last for less time  
 19    than it would have taken to conduct a full round of notice-and-comment rulemaking. The Joint  
 20    Memorandum has not impaired any substantive rights, and refugee applicants remain eligible to  
 21    be processed for refugee status and admitted as refugees if they are found eligible and admissible  
 22    at the conclusion of the Joint Memorandum's brief review and implementation periods.

23         Indeed, the Court's reasoning enjoining enforcement of the Joint Memorandum on that  
 24    basis leads to an even more problematic result: any change in procedure that delays a prospective  
 25    refugee's arrival in the United States, or makes it less likely for someone to be granted refugee  
 26    status, would suddenly become a substantive rule that would be invalid without notice-and-

1 comment. That is not only contrary to decades of practice and Ninth Circuit case law, *see In re*  
 2 *Hill*, 811 F.2d 484, 487 (9th Cir. 1987) (“The application of virtually any procedural rule can  
 3 result in the denial of a ‘substantive’ right, yet this does not transform the procedural rule into a  
 4 substantive rule.”), it would also threaten agencies’ abilities to take important actions (such as  
 5 improving their screening procedures) on a timely basis. For that matter, under this Court’s  
 6 reasoning, the agencies could not have created an SAO procedure after the 9/11 attacks to ensure  
 7 that proper screening was employed before making eligibility determinations (at least without  
 8 first conducting a time-consuming and unwieldy notice-and-comment rulemaking process). As  
 9 discussed at the hearing, even Plaintiffs appear to agree that agencies must have the discretion to  
 10 quickly and continually revise their screening procedures. *See also* Joint Decl. of Former Nat’l  
 11 Sec. Officials ¶ 4, *JFS*, ECF No. 46. Thus, a stay is also warranted because the Government has  
 12 demonstrated a likelihood of success on the merits of its appeal.

13 **CONCLUSION**

14 For these reasons, Defendants respectfully request that, pending final disposition of their  
 15 appeal, this Court stay its preliminary injunction. In addition, Defendants request that the Court  
 16 stay its injunction pending its ruling on this emergency motion for a stay pending appeal.

17 DATED: December 29, 2017

18 Respectfully submitted,

19 CHAD A. READLER  
 20 Acting Assistant Attorney General

21 JENNIFER D. RICKETTS  
 22 Director, Federal Programs Branch

23 JOHN R. TYLER  
 24 Assistant Director, Federal Programs Branch

25 /s/ Joseph C. Dugan  
 26 MICHELLE R. BENNETT  
 DANIEL SCHWEI  
 KEVIN SNELL  
 JOSEPH C. DUGAN

1 Trial Attorneys  
2 U.S. Department of Justice  
3 Civil Division, Federal Programs Branch  
4 20 Massachusetts Avenue, NW  
5 Washington, DC 20530  
6 Tel: (202) 514-3259  
7 Fax: (202) 616-8470  
8 Email: joseph.dugan@usdoj.gov

9  
10  
11 *Attorneys for Defendants*  
12  
13  
14  
15  
16  
17  
18  
19  
20  
21  
22  
23  
24  
25  
26

**CERTIFICATE OF SERVICE**

I certify that on December 29, 2017, a copy of the foregoing document was electronically filed with the Clerk of the Court using the CM/ECF system, which will send notification of such filing to all counsel of record.

DATED this 29th day of December, 2017.

/s/ Joseph C. Dugan  
JOSEPH C. DUGAN